

आदेश पत्रक

(सर्वे अभिलेख हस्तक, 1941 का नियम 129)

सं. 341/16-17 से सं. 200

पश्चात् अंशित खारिज वाद सं.

अंशित वाद सं.	आदेश और परपिफारी का इस्ताफर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख इदिन
	2	3

22/7/16

पिता श्री ~~महाराज राय~~ सा. ~~राजेश्वरी~~
 श्री ~~श्री 50 खीरवाड़ा~~ सा. ~~राजेश्वरी~~
 अंचल रांची जिला गिरिडीह द्वारा निर्मांकित ब्यारे की
 गजोन के दाखिल खारिज हेतु आवेदन पत्र दिया गया है।
 आवेदित गजोन की गुणा 561
 पिता श्री ~~श्री 50 खीरवाड़ा~~ सा. ~~राजेश्वरी~~
 अंचल ~~रांची~~ के बजरिये केवाला नं. 4596
 दिनांक 31/04/95 द्वारा क्रय किया गया है।
 ग्राम भागा नं. खाता नं. प्लॉट नं. एकवा
 गुणीकरण 526 29 378 125)

पंजी 27 में दर्ज कर आम इस्तिहार निर्गत करे।
 हत्का रादाय कर्मचारी आवेदन पत्र का स्थानीय जांच कर
 जांच प्रतिवेदन अं. नि. के माध्यम से उपस्थापित करे।
 अभिलेख दिनांक 16/8/16 को उपस्थापित करे।

गं. 27 में दर्ज कर
 K.C.

लेखापाल

अंचल अधिकारी
 रांची

अंचल अधिकारी
 रांची

16/8/16

अभिलेख तयस्वापित किया गया। आम इस्तफा निम्न लिखित
 मकः। तामिल प्रतिवेदन प्राप्त है। लिखी न कोई अपेक्षा नहीं
 दिख है। इ. कर्म. / अ. नि. का बीच प्रतिवेदन देखा। इन्होंने
 प्रतिवेदित किया है कि इतनागत जमीन रयती गी. छह / ककस्त
 छात को है। जिसकी नपावन्दी पंजी 11 को फूट सं. 98/11
 पर दर्ज है एवं विक्रेता के नाम ~~राम~~ श्री 30/11/16/15/16/16 श्री 30/11/16/15/16/16
 से कायम है। जमीन भूदान भूहदबंदी बन सीमा एवं रीपट से
 खतर है। जमीन पर क्रेता का शांतिपूर्ण दखल है। उल्लेखित
 भूमि के नामांतरण हेतु अनुशासा किया गया है।

अतः इ. कर्म. एवं अ. नि. के बीच प्रतिवेदन के
 आधार पर निर्मांकित विवरण की भूमि का नामांतरण क्रेता

अ. / अ. नि. श्री 30/11/16/15/16/16
 पिता/पति श्री 30/11/16/15/16/16 सा. श्री 30/11/16/15/16/16
 के नाम से श्री 30/11/16/15/16/16 किया गया है।
 ग्राम/धाम नं. छाता नं. प्लॉट नं. रकबा धर

यु.सी. गठिया 29 378. 12 1.00
526

संबंधित सहायक तदनुसार शुद्ध मात्र निर्गत करें।

लेखापति

अ
 अंमल अधिकारी
 देवरी

अ
 अंचल अधिकारी
 देवरी

शुद्ध मात्र निर्गत किया गया। हल्का कार्यालयी रूप
 संपादक को अन्दर अनुपालन प्रतिवेदन दे।

अ
 अंमल अधिकारी
 देवरी

एक प्रति यु.सी. गठिया
अ
 देवरी